http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 149

प्रयागराज शुक्रवार 14 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

गबार्ड ने की पीएम से मुलाकात

● तुलसी का परिवार भारत का नहीं पर हिंदू धर्म से गहराई से जुड़ा है

वाशिंगटन,(एजेंसी)। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने बुधवार देर शाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने यहां बताया कि श्री मोदी ने सुश्री गबार्ड के साथ अपनी पूर्व की बातचीत को याद किया।

विदेश मंत्रालय के अनुसार चर्चा में भारत एवं अमेरिका के बीच द्विपक्षीय खुफिया सहयोग बढ़ाने, विशेष रूप से आतंकवाद, साइबर सुरक्षा, उभरते खतरों और रणनीतिक खुफिया जानकारी साझा करने पर चर्चा हुई। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर भी विचारों का आदान–प्रदान किया, एक सुरक्षित, स्थिर और नियम–आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अमेरिका के राष्ट्रपति के अतिथि गृह 'ब्लेयर हाउस' पहुंचने पर भारतीय–अमेरिकी प्रवासी समुदाय के लोगों ने जोरदार स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस की यात्रा के बाद बुधवार को शाम करीब साढ़े पांच बजे (भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह चार बजे) अमेरिकी की राजधानी पहुंचे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बृहस्पतिवार को मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। दोनों नेताओं की यह बातचीत आतंकवाद और उभरते खतरों से निपटने में खुफिया सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित रही। इस बीच पीएम मोदी ने हिंदू–अमेरिकी गबार्ड को देश की शीर्ष खुफिया अधिकारी नियुक्त किए जाने पर बधाई दी। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के रूप में गबार्ड की नियुक्ति को बुधवार को मंजूरी मिली थी। तुलसी गबार्ड पवित्र गीता लेकर सांसद की शपथ लेने वाली नेता के तौर पर सुर्खियों में रही थीं।

लोकसभाः इनकम टैक्स बिल पेश

● इसके पन्ने 823 से घटाकर 622 किए, अनडिस्क्लोज्ड इनकम के तहत आएंगे क्रिप्टो एसेट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज लोकसभा में नया आयकर बिल 2025 पेश किया। आयकर कानूनों को सरल बनाने के लिए नया कानून बनाने का एलान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी 2025 के अपने बजट भाषण में किया था। वित्त मंत्री लोकसभा में बिल पेश करने के बाद अध्यक्ष ओम बिरला से इसे सदन की प्रवर समिति को भेजने का आग्रह किया। आइए इस बारे में और जानें। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में आयकर विधेयक, 2025 पेश किया और अध्यक्ष ओम बिरला से इसे सदन की प्रवर समिति को भेजने का आग्रह किया। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक को प्रस्तुत करने के दौरान इसका विरोध किया, लेकिन सदन ने इसे प्रस्तुत करने के लिए ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित कर दिया। विधेयक को पेश करते हुए सीतारमण ने बिरला से आग्रह किया कि वे मसौदा कानून को सदन की प्रवर समिति को भेजें, जो अगले सत्र के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। उन्होंने अध्यक्ष से प्रस्तावित पैनल की संरचना और नियमों पर निर्णय लेने का आग्रह किया। बहुप्रतीक्षित विधेयक में ष्कर निर्धारण वर्षष् और ष्पूर्व वर्षष् जैसे शब्दों के स्थान पर ष्कर वर्षष् जैसे सरलीकृत शब्द रखे जाएंगे, जो कि आयकर कानून की भाषा को सरल बनाने बनाएगा। इसके साथ ही नए कानून से अनावश्यक प्रावधान और स्पष्टीकरण भी हट जाएंगे। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में किया था नए आयकर कानून का एलान आयकर कानूनों को सरल बनाने के लिए नया कानून बनाने का एलान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी 2025 के अपने बजट भाषण में किया था। इस विधेयक को केंद्रीय कैबिनेट की भी मंजूरी मिल चुकी है। लोकसभा में पेश होने वाला नए आयकर विधेयक में 536 धाराएं है। इसमें 23 अध्याय है और यह 622 पन्नों का है। इस विधेयक के पारित होने के बाद नया आयकर कानून अधिक व्यवस्थित और वर्तमान कानून की तुलना में सरल होगा। नए आयकर कानून में मूल्यांकन वर्ष की अवधारणा होगी समाप्त एक बार कानून बनने के बाद आयकर विधेयक 2025 छह दशक पुराने आयकर अधिनियम 1961 की जगह लेगा। पहले का कानून समय के साथ और विभिन्न संशोधनों के बाद काफी जटिल हो गया है, इसलिए इसकी जगह नया आयकर विधेयक लाया जा रहा है। सरकार की ओर से प्रस्तावित नए कानून में, आयकर अधिनियम, 1961 में उल्लिखित 'पिछले वर्ष' (FY) शब्द को बदलकर 'कर वर्ष' कर दिया गया है। इसके साथ ही, मूल्यांकन वर्ष (AY) की अवधारणा को समाप्त कर दिया गया है। नए कानून में कर निर्धारण वर्ष की अवधारणा होगी समाप्त वर्तमान में, पिछले वर्ष (2023–24) में अर्जित आय के लिए, कर का भुगतान निर्धारण वर्ष (2024–25) में किया जाता है।

बीजेपी को चुनाव आयोग का आशीर्वाद था, केजरीवाल से मिलने के बाद बोले आदित्य ठाकरे

नई दिल्ली,(एजेंसी)।केजरीवाल से मुलाकात के बाद आदित्य ठाकरे ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने 10 साल में बहुत काम किए हैं जिसे जनता जानती हैं। भाजपा को चुनाव आयोग का आशीर्वाद था इसलिए भाजपा को चुनाव आयोग का आभार करना चाहिए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे और शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने आज आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। इस दौरान शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत, प्रियंका चतुर्वेदी, अरविंद सावंत और संजय दीना पाटिल मौजूद रहे। केजरीवाल से मुलाकात के बाद आदित्य ठाकरे ने कहा, श्अरविंद केजरीवाल ने 10 साल में बहुत काम किए हैं जिसे जनता जानती हैं। भाजपा को चुनाव आयोग का आशीर्वाद था इसलिए भाजपा को चुनाव आयोग का आभार करना चाहिए। काफी जगह वोट काटे गए थे, चुनाव आयोग ने लोगों से वोट डालने का अधिकार छीना है। आज हमारे देश में निष्पक्ष चुनाव नहीं होते हैं।श

बिजली को लेकर भाजपा पर भड़कीं आतिशी आप नेता आतिशी ने बिजली प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए दिल्ली में पावर कट का मुद्दा उठाया। उन्होंने इस दौरान भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, श्दिल्ली में बीजेपी की सरकार आते ही बिजली व्यवस्था बर्बाद हो गई। पॉवरकट से परेशान दिल्लीवाले इन्वर्टर खरीदना शुरू कर चुके हैं।

'सनातन धर्म से ही सुरक्षित रहेगी मानवता'

● सनातन अपने विचार किसी पर थोपता नहीं हैः सीएम योगी

● महाकुंभ पूरे विश्व को एकता का संदेश दे रहाः मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर,(एजेंसी)। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि सनातन धर्म वास्तव में मानव धर्म है और सनातन धर्म ही विश्व मानवता का धर्म है। गोरखपुर पधारे जगद्गुरु शंकराचार्य विधुशेखर भारती के अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सनातन धर्म अर्वाचीन है। समय समय पर इस पर अनेक प्रहार हुए लेकिन भगवान की अवतार परंपरा, संतों, ऋषियों और महामानवों ने धराधाम पर सनातन धर्म का संरक्षण किया और सनातन धर्मावलंबियों के सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की। सनातन अपने विचार किसी पर थोपता नहीं हैः योगी मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दुनिया में अनेक पंथए सम्प्रदाय, मत, मजहब ने अपने विचार लोगों पर थोपने के प्रयास किए लेकिन सनातन अपने विचार किसी पर थोपता नहीं है। यह जीवन जीने के तरीके को स्वतंत्रता, उन्मुक्तता और सहजता से आगे बढ़ाने का मार्ग दिखाता है। सनातन धर्म जितनी स्वतंत्रता, उन्मुक्तता और सहजता अन्यत्र कहीं नहीं है। योगी ने कहा कि सनातन धर्म को किसी एक परिभाषा में सीमित नहीं किया जा सकता। वास्तव में यह कृत और कर्ता के प्रति कृतज्ञता का भाव है। वाल्मीकि रामायण में भी यही बात उल्लिखित है। सनातन धर्म सुरक्षित रहेगा तो न केवल भारत सुरक्षित रहेगा बल्कि विश्व मानवता सुरक्षित रहेगी। महाकुंभ पूरे विश्व को एकता का संदेश दे रहाः योगी मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रयागराज का महाकुंभ पूरे विश्व को एकता का संदेश दे रहा है। 45 दिन के महाकुंभ के आयोजन में अब 14 दिन का समय शेष है। अब तक 31 दिन में करीब 48 करोड़ श्रद्धालु गंगा जमुना, सरस्वती की त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। यह एक भारतए श्रेष्ठ भारत का उदाहरण प्रस्तुत करने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कहते हैं कि महाकुंभ का यही है संदेश, एकता से अखंड रहेगा देश। योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में काशी में बाबा विश्वनाथ के बने भव्य धाम और अयोध्या में 500 वर्षों के इंतजार के बाद बने श्रीराम मंदिर की दिव्यता और भव्यता को गौरवान्वित करने वाला बताया। भगवान आदि शंकर ने सनातन परंपरा को किया पुनर्जीवित सीएम योगी ने कहा कि एक समय यह लगने लगा था कि सनातन धर्म समाप्त हो जाएगा। तब सनातन परंपरा को भगवान आदि शंकर ने पुनर्जीवित किया था। सनातन धर्म की परंपरा को सतत आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने विजय यात्रा निकाली, शास्त्रार्थ किया और देश के चार कोनों में चार धर्म पीठों, उत्तर में ज्योर्तिष, पूरब के जगन्नाथ, पश्चिम में द्वारिका और दक्षिण में शृंगेरी पीठ की स्थापना की।

दिल्लीवाले मान रहे गलती, बिजली को लेकर भड़कीं आतिशी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आतिशी ने कहा कि भाजपा दिल्ली में साल 1993 से 1998 तक सरकार में थी और उस समय भी बिजली व्यवस्था खराब थी। भाजपा ने तीन दिनों में ही दिल्ली को उत्तर प्रदेश बनाना शुरू कर दिया है और वहां की तरह लंबे–लंबे पॉवरकट लगाना शुरू कर दिए हैं। आप नेता आतिशी ने बिजली प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए दिल्ली में पावर कट का मुद्दा उठाया। उन्होंने इस दौरान भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, श्दिल्ली में बीजेपी की सरकार आते ही बिजली व्यवस्था बर्बाद हो गई। पॉवरकट से परेशान दिल्लीवाले इन्वर्टर खरीदना शुरू कर चुके हैं। दिल्लीवाले मान रहे हैं कि इस बार चुनाव में उनसे गलती हो गई जो वह भाजपा की सरकार ले आए।श आतिशी ने कहा, श्भाजपा दिल्ली में साल 1993 से 1998 तक सरकार में थी और उस समय भी बिजली व्यवस्था खराब थी। भाजपा ने तीन दिनों में ही दिल्ली को उत्तर प्रदेश बनाना शुरू कर दिया है और वहां की तरह लंबे–लंबे पॉवरकट लगाना शुरू कर दिए हैं। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भी सोशल मीडिया पर पॉवरकट होने की तमाम शिकायतें की हैं।श

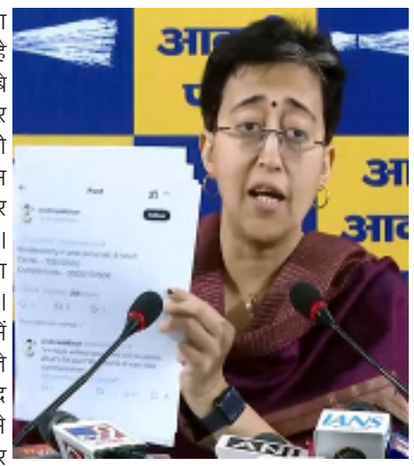

मेरे रहते बिहार में भाजपा नहीं बना सकती सरकारः लालू प्रसाद

● लालू प्रसाद के इस बयान पर मचा बवाल

पटना,(एजेंसी)। बिहार में हमारे रहते भाजपा सरकार नहीं बना सकती। बिहार की जनता भारतीय जनता पार्टी को पहचान चुकी है। वैसे भी मेरे रहते बिहार में भाजपा के सरकार बनाने की कोई संभावना नहीं है। भाजपा नेता ने लालू यादव और तेजस्वी को बताया श्धृतराष्ट्रश और श्दुर्योधनश लालू प्रसाद यादव के द्वारा 2025 में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की बात पर भाजपा के प्रवक्ता अरविंद सिंह ने लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव पर जोरदार तंज कसा है। उन्होंने लालू प्रसाद यादव को धृतराष्ट्र और तेजस्वी यादव को दुर्योधन के नाम से संबोधित करते हुए कहा कि लालू प्रसाद यादव अभी धृतराष्ट्र के रोल में हैं। अपने पुत्र दुर्योधन को सत्ता में बनाने के लिए मुख्यमंत्री बनाने के लिए एकदम व्याकुल हैं। लालू प्रसाद फिलहाल यह सपना देखना छोड़ दें, क्यों कि वह दुर्योधन को कभी नहीं राज दे सकते हैं। दुर्योधन का जो हाल था वही होने वाला है। लालू प्रसाद यादव घोटालों के हैं सम्राट भाजपा के प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा कि लालू प्रसाद यादव बड़बोले नेता हैं। वह घोटालों के सम्राट रहे हैं। वह झारखंड के कोटवार जेल को सुशोभित कर चुके हैं और सजायाफ्ता हैं।

लालू प्रसाद यादव अभी धृतराष्ट्र के रोल में हैं। अपने पुत्र दुर्योधन को सत्ता में बनाने के लिए मुख्यमंत्री बनाने के लिए एकदम व्याकुल हैं। इसलिए उनको समझ में नहीं आता है।

दुनिया में भारतीय संस्कृति का महत्व बढ़ रहा हैः गजेन्द्र शेखावत

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देश की सांस्कृतिक, आर्थिक और वैश्विक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि भारत का प्रभाव केवल अपने सीमित भूभाग तक नहीं, बल्कि मध्य एशिया तक स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। श्री शेखावत ने इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) में केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय पहल 'प्रोजेक्ट मौसम' के तहत 'मानसूनरू द स्फीयर ऑफ कल्चरल एंड ट्रेड इन्फ्लुएंस' शीर्षक से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर कल शाम यह बात कही। सेमिनार का आयोजन एसजीटी विश्वविद्यालय के एडवांस स्टडी इंस्टीट्यूट ऑफ एशिया के सहयोग से किया गया है। इस मौके पर मुख्य अतिथि केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन , डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी 'एशिया' के शोध निदेशक प्रो. अमोघ राय और आईजीएनसीए के श्प्रोजेक्ट मौसमश के निदेशक डॉ अजित कुमार सहित अन्य गणमान्य मौजूद थे। श्री शेखावत ने कहा,"हमारे यहां से लेकर के मध्य एशिया तक, सब देशों के बीच हमारी संस्कृति का प्रभाव निर्विवाद रूप से दिखाई देता है और उसके चलते जो वृहत्तर भारत की कल्पना है, उसका मूल आधार भारत की सांस्कृतिक और आर्थिक संपन्नता है। उन्होंने कहा, ष्अब भारत का सामर्थ्य बढ़ रहा है, भारत की पहचान बदल रही है, भारत की जनशक्ति बढ़ रही है और पूरे विश्व में भारत की क्षमताओं का प्रभुत्व नए सिरे से स्थापित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक दृष्टिकोण से, सामरिक दृष्टिकोण से।

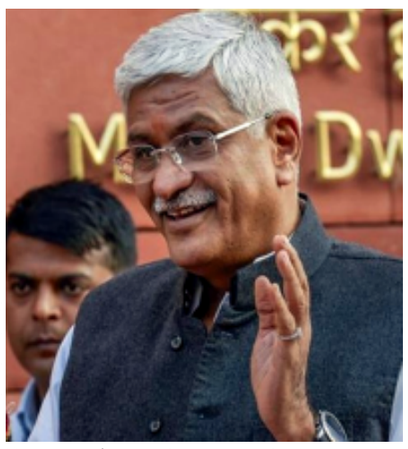

मुफ्तखोर नहीं बना रहे?

● सुप्रीम कोर्ट ने क्यों उठाए 'रेवड़ी' योजनाओं पर सवाल, किस मामले पर थी सुनवाई

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की पूरी टिप्पणी क्या थी? अदालत ने किस मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की? सुप्रीम कोर्ट ने किन राज्यों की योजनाओं को लेकर मुफ्त एलानों पर निशाना साधा? इसके अलावा यह जानना भी अहम है कि किन राज्यों में वैसी ही योजनाएं लागू की गई हैं? आइये जानते हैं... सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को शहरी बेघरों के लिए आश्रय की मांग वाली जनहित याचिका को लेकर सुनवाई की। इस मामले में सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय के जज जस्टिस बीआर गवई ने इशारों–इशारों में राजनीतिक दलों की रेवड़ी योजनाओं पर निशाना साधा। जस्टिस गवई ने कहा कि बेहतर होगा कि लोगों को परजीवी (दूसरों पर निर्भर रहने वाला) बनाने के बजाय समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जाए ताकि वे भी देशहित में अपना योगदान दे सकें। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद देशभर में रेवड़ी संस्कृति और मुफ्त की योजनाओं को लेकर चर्चा जारी है। हालांकि, यह जानना अहम है कि सुप्रीम कोर्ट की पूरी टिप्पणी क्या थी? अदालत ने किस मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की? सुप्रीम कोर्ट ने किन राज्यों की योजनाओं को लेकर मुफ्त एलानों पर निशाना साधा? इसके अलावा यह जानना भी अहम है कि किन राज्यों में वैसी ही योजनाएं लागू की गई हैं? आइये जानते हैं.. पहले जानें– अदालत ने किस मामले की सुनवाई के दौरान की यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट में ईआर कुमार बनाम केंद्र सरकार, 2003 के मामले पर सुनवाई हो रही है। अगर संक्षेप में समझा जाए तो यह मामला शहरों में बिना घरों के रह रहे लोगों के लिए आश्रय सुनिश्चित करने से जुड़ा है। अक्तूबर 2022 में इस मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों–केंद्र शासित प्रदेशों को शहरी बेघरों के लिए आश्रयों से जुड़ी एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। पिछले साल सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, जम्मू–कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और बिहार से सर्दियों के दौरान शहरी बेघरों के लिए किए जाने वाले अस्थायी इंतजामों की जानकारी मांगी थी।

3 दिसंबर को प्रशांत भूषण ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि दिल्ली में शेल्टर होम्स में सिर्फ 17 हजार लोगों को रखने की जगह है, जबकि यह क्षमता 2 लाख से ज्यादा होनी चाहिए।

निवेशक सम्मेलन

पिछले तीन दशकों में आर्थिक उदारीकरण के दौर में विभिन्न राज्यों ने निवेशक सम्मेलनों से जहां कर्नाटक और तेलंगाना ने आइटी सर्विसेज और फार्मास्यूटिकल सेक्टर में अपनी पकड़ मजबूत की है, वहीं गुजरात ने जेम्स–ज्वेलरी व रसायन उद्योग, तमिलनाडु ने ऑटो मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को मजबूत किया। अब आंध्र प्रदेश ने औद्योगिक और आर्थिक विकास को गति देने, निर्यात बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए छह परिवर्तनकारी नई नीतियों से इंडस्ट्रियल रेवोलूशन 4.0 का आगाज किया है। इसी लीक पर चलते हुए आगामी 9 से 11 दिसम्बर तक राजस्थान सरकार प्रदेश में निवेशक सम्मेलन 'राइजिंग राजस्थान' का आयोजन कर रही है। विकसित भारत का लक्ष्य पाने की दिशा में ऐसे आयोजन मौजूदा अर्थजगत में काफी महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं।विविधता समृद्ध देश भारत आज विश्व में अपनी नई पहचान बना रहा है। देश की विविधतापूर्ण संस्कृति के साथ प्राकृतिक संसाधन देश के विभिन्न राज्यों में नवीन आर्थिक संभावनाएं प्रस्तुत करते हैं। राजस्थान क्षेत्रफल के लिहाज से देश का सबसे बड़ा राज्य है। यहां औद्योगिक विकास की खूब संभावनाएं हैं।धरती धोरां री के धोरों में जहां अपार खनिज एवं तेल भंडार हैं तो वहीं रंग–बिरंगे परिधानों के लिए कपास व ऊन भी यहां खूब है। हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट के हुनर के साथ मिलेट और मसालों से बने यहां के स्वादिष्ट व्यंजन देश ही नहीं दुनियाभर में मशहूर हैं। कृषि योग्य जमीन भी यहां खूब है तो सौर व पवन ऊर्जा के लिए भी संभावनाओं की कमी नहीं है। जब प्रकृति का आशीर्वाद मिले तो बस उद्यमियों का साथ आना जरूरी है, फिर उस क्षेत्र की प्रगति को कोई नहीं रोक सकता। इसी उद्यमशीलता को नई ऊर्जा देने के लिए निवेश, आर्थिक प्रोत्साहन, व्यावसायिक कौशल, सुशासन और सबसे अधिक जिस चीज की आवश्यकता है, वह है 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस'। प्रदेश में व्यापारियों–उद्यमियों को अगर अनुकूल परिस्थितियां मिलती हैं तो निवेशक स्वयं आकर्षित होंगे।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। देश के बाकी राज्य भी विकसित भारत और मेक इन इंडिया कार्यक्रमों के तहत अपने–अपने प्रदेश में नवाचार व औद्योगिक क्रांति को बढ़ावा दे रहे हैं। गुजरात, तेलंगाना और तमिलनाडु के बाद अब देश –दुनिया के समक्ष राइजिंग राजस्थान मॉडल को पेश करने की बारी है। इसके लिए घरेलू स्तर पर या यूं कहें कि जमीनी स्तर पर कुछ कार्य करने होंगे, कुछ चुनौतियों का सामना करना होगा। अपार संभावनाओं को ऐसे परिणामों में बदलना होगा कि निवेशक स्वयं यहां निवेश करने के लिए आएं, उनको बुलाने की जरूरत नहीं पड़े। ऐसा माहौल बने कि उद्योगपति राजस्थान में निवेश के लिए लालायित नजर आएं। इसके लिए स्थानीय इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर तो ध्यान देना ही होगा, बोझिल और कष्टदायी सरकारी प्रक्रिया का सरलीकरण और व्यवस्था को लालफीताशाही से छुटकारा दिलाना इस दिशा में पहला कदम होना चाहिए।

उद्योग लगाने से जुड़ी प्रक्रिया जटिल नहीं होनी चाहिए और न ही उद्योगपतियों में कोई डर होना चाहिए। इंद्रधनुषी संस्कृति वाले राजस्थान के शहर पिंक सिटी, ब्लू सिटी, सन सिटी, लेक सिटी के नाम से देश–विदेश में जाने जाते हैं। कितने ही पर्यटन स्थलों को विश्व विरासत में स्थान मिल चुका है। इनके सतत संरक्षण व संवर्धन ने पर्यटन उद्योग के लिए संजीवनी बूटी का काम किया और राज्य ने विश्व पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान बनाई। बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग और फिल्मी सितारों की डेस्टिनेशन वेडिंग ने प्रदेश के कई स्थलों को पर्यटन मानचित्र पर नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं। हालांकि पर्यटन काफी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है, लेकिन राइजिंग राजस्थान निवेशक सम्मेलन को राजस्थान की कृषि, हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट, खनिज, सौर व पवन ऊर्जा, कौशल, उद्यमशीलता और क्लस्टर मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में निवेश जुटाने की दिशा में प्रयास करने चाहिए जिससे अधिक रोजगार पैदा करने वाली कंपनियों के लिए विशेष प्रोत्साहन और निवेश का रास्ता बने। इस संबंध में आंध्र प्रदेश का संदर्भ देना प्रासंगिक होगा। आंध्र प्रदेश और राजस्थान, निवेश और औद्योगिक क्रांति के द्वार पर खड़े हैं। पिछले दिनों आंध्र सरकार ने राज्य में नई औद्योगिक नीति की घोषणा की। इससे राज्य के उद्योग जगत को काफी लाभ मिलेगा। उन्हें 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' नीति का लाभ मिलने के साथ रोजगार सृजन को बढ़ावा भी मिलेगा।इन नीतियों के जरिए संदेश दिया गया है कि व्यवसाय जगत को जितना अधिक भ्रष्टाचार मुक्त और निर्बाध स्वीकृति वाला बनाया जाएगा, वहां उतना ही अधिक विपणन होगा और उतनी ही अधिक आनुपातिक निवेश और प्रगति होगी। राजस्थान को भी ऐसी ही नीतियां और औद्योगिक व्यवस्था लागू करने की कोशिश करनी होगी। प्रदेश के विकास का मॉडल ऐसा बने कि बाहर जा कर बसे मारवाड़ी, शेखावाटी सहित सभी प्रवासी राजस्थानी और विदेशी उद्यमी प्रदेश में निवेश के लिए किसी औपचारिक आमंत्रण की प्रतीक्षा न करें।

जनता और सरकार दोनों के लिए जरूरी है बचत

वर्ष 2008 में जब अमरीका और यूरोप में वित्तीय उठापटक का भयंकर दौर आया था, तब एक के बाद एक बैंक तथा वित्तीय संस्थान धराशायी होते चले गए थे जबकि भारत मजबूती से खड़ा रहा था। अमरीका का सबसे बड़ा वित्तीय संस्थान लेहमैन ब्रदर्स दिवालिया हो गया और यह अपने आप में अमरीका के वित्तीय इतिहास का सबसे बड़ा मामला था। इसके असर से अमरीका और यूरोप के कई वित्तीय संस्थान धराशायी हो गए थे। लेहमैन ब्रदर्स क्यों डूबा, यह किसी शोध का विषय नहीं है। वजह थी कि लेहमैन ब्रदर्स ने बहुत बड़े पैमाने पर उन ग्राहकों को लोन दिया था जो चुकाने की योग्यता नहीं रखते थे। जब ऋण अदायगी का समय आया तो लाखों ग्राहक डिफॉल्ट कर गए। बैंक थोड़े ही समय में दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गया। यह दिवालिया मामला 600 अरब डॉलर के आसपास था, जो शेयर बाजारों तक को ले डूबा। जाहिर है कि साथ–साथ कई वित्तीय संस्थान भी डूब गए।

जब यह वित्तीय सुनामी सारी दुनिया में चल रही थी तो आशंका व्यक्त की गई थी कि इसका बेहद बुरा प्रभाव विकासशील भारत पर पड़ेगा जहां वित्तीय संसाधन पश्चिमी देशों के मुकाबले में सीमित हैं और आर्थिक दक्षता नहीं है। नतीजतन कई कंपनियों ने कमर कस ली और छंटनी से लेकर लागत कम करने के सभी उपाय कर लिए जिससे आसन्न संकट टल जाए। संतोष की बात रही कि यहां ऐसा कुछ नहीं हुआ। इस बात ने विदेशी आर्थिक विशेषज्ञों को हैरान कर दिया और इस बात पर गहन चिंतन हुआ कि आखिर भारतीय वित्तीय संस्थान और बैंक इसके लपेटे में क्यों नहीं आए। तब यह पाया गया कि भारतीयों ने बैंकों वगैरह से लोन बहुत कम लिया था और जो लोन मकान वगैरह खरीदने के लिए लिया था उसके एवज में बकायदा उतने मूल्य की गिरवी भी रखी थी। लोगों में इतनी क्षमता थी कि वित्तीय व्यवधान के बावजूद वे अपनी किस्तों का भुगतान कर रहे थे और आर्थिक रूप से मजबूत दिख रहे थे।दिलचस्प बात यह भी थी कि बहुत बड़ी तादाद में ऐसे लोग भी थे जो नकद देकर मकान–दुकान या वाहन वगैरह खरीद रहे थे। उनकी इस वित्तीय ताकत ने देश को बचा लिया और उस सुनामी का बहुत ही मामूली असर दिखाई पड़ा। नौकरियां जाने के बावजूद वे अपने पैरों पर खड़े थे। उनकी क्रय शक्ति में कमी तो आई लेकिन वे आर्थिक रूप से विपन्न नहीं हुए। और यह सब इसलिए हुआ कि उनके पास बचत थी जो बैंक बैलेंस के रूप में थी और काफी कुछ सोने–चांदी के रूप में भी। उन्होंने यह सब कुछ बुरे समय के लिए ही रखा था और यह उनके उपयुक्त समय में काम आया।

ऐसा ही कुछ कोरोना के संकट के दौरान हुआ जब बड़े पैमाने पर नौकरियां तो गईं, छोटे व्यवसायों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और आमदनी घट गई। तब बचत के पैसों से उन्होंने घर चलाया और बुरा समय निकाला। भारत और चीन दुनिया में दो ऐसे देश हैं जिनके लोग हजारों वर्षों से बचत करते रहे हैं। अपनी मेहनत की कमाई में से एक हिस्सा वे बचाकर रखते थे जो उनके बुरे वक्त या फिर सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में काम आता था। आपने मिट्टी के हांडियों में सोने के सिक्के पाए जाने की कई खबरें सुनी होंगी या फिर जमीन में गड़े धन के बारे में जरूर पढ़ा होगा। पर मध्य काल के बाद अंग्रेज आए और उन्होंने अपने डेढ़ सौ साल के शासन में भारतीय अर्थव्यवस्था को लूटकर बर्बाद कर दिया। इससे भारतीयों की परचेजिंग पॉवर और इनकम दोनों ही निम्नतम स्तर पर जा पहुंची थी। फिर एक ऐसा समय आया जब एफडी के माध्यम से लोग पैसे बचाने लगे। करोड़ों लोग बुढ़ापे के लिए, तो काफी बड़ी तादाद में लोग घर–परिवार की जिम्मेदारियों के लिए बचाने लगे।

लेकिन हाल के वर्षों में बहुत चिंताजनक प्रवृत्ति दिखाई दे रही है। 2020 के बाद से लोगों में, खासकर युवा वर्ग (जिसे मिलेनियल कहा जाता है) बढ़–चढ़ कर खर्च करने की प्रवृत्ति तो देखी जा रही है, पर बचत में विश्वास कम ही देखा जा रहा है। जेब में पैसे न हों तो वे क्रेडिट कार्ड से खर्च कर रहे हैं। आंकड़े बता रहे हैं कि सितंबर 2024 में क्रेडिट कार्ड से भारतीयों ने 1.76 खरब रुपए खर्च किए। यह पिछले साल की तुलना में 25 फीसदी ज्यादा है। यह राशि छह माह में सबसे ज्यादा है, यानी अब लोग पैसे बचाने की बजाय खर्च करने में ज्यादा दिलचस्पी ले रहे हैं।

भारत में बचत की प्रवृत्ति घट रही है। इसका एक उदाहरण इस तथ्य से मिलता है कि 2023 में देश में घरेलू बचत घटकर जीडीपी की 18.4 प्रतिशत रह गई जबकि 2022 में यह 22.7 प्रतिशत थी। एक शोध से पता चलता है कि देश को जीडीपी में 8 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी चाहिए तो हमें 35 प्रतिशत बचत और निवेश करना ही होगा। यहां पर समस्या यह है कि बैंकों की ब्याज दरें इतनी नहीं हैं कि वे अब लोगों को आकर्षित करें। उनकी बचत का पैसा अब म्युचुअल फंड में जा रहा है क्योंकि वहां से उन्हें बेहतर रिटर्न की उम्मीद होती है। आंकड़ों के मुताबिक 2022 की पहली तिमाही में बैंकों में डिपॉजिट 50 सालों के न्यूनतम पर जा पहुंचा।

अभी जरूरी है कि सरकार बचत को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाए। बचत स्कीमों से आया पैसा सरकार की योजनाओं पर ही खर्च होता है। यह उधार लेने के लिए सरकार के पास सस्ता और सुगम रास्ता है। अगर बचत घटती जाएगी तो सरकारें महंगी दरों पर बाजार से पैसा उठाएंगी जो लाभकारी नहीं होगा। बचत जनता और सरकार दोनों के लिए जरूरी है। बचत निश्चित रूप से बुरे वक्त का साथी बनेगी, जैसा कि होता आ रहा है।

आरक्षण के लिए धर्म परिवर्तन करना धोखाधड़ी

प्रो. हरबंश दीक्षित
डीन, विधि संकाय तीर्थंकर महावीर वि.वि., मुरादाबाद

आरक्षण के लिए धर्म परिवर्तन पर बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट का महत्त्वपूर्ण फैसला आया। सी. सेल्वरानी बनाम विशेष सचिव–सह जिला कलेक्टर के अपने फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि केवल आरक्षण पाने के लिए किया गया धर्म परिवर्तन संविधान के साथ छल करने के बराबर है और उसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। इसमें संविधान के अनुच्छेद 25 के अंतर्गत किए गए अपने पसंद की पूजा पद्धति को अपनाने तथा अनुच्छेद–16 (4) में अनुसूचित जाति को मिलने वाले आरक्षण और उसकी पात्रता के अंतर्सम्बंधों की विवेचना की गई। सी. सेल्वरानी का जन्म एक ईसाई पिता तथा संथानेरी मां के घर हुआ था। जब वह शिशु थी तभी उनका बपतिस्मा कर दिया गया था। किंतु सेल्वरानी का दावा था कि विवाह के बाद उनकी माता ने हिंदू धर्म अपना लिया था और चूंकि मूलतरू वे लोग वल्लुवन जाति से संबंधित थे। अतरू पुडुचेरी में अनुसूचित जाति मानते हुए उसका प्रमाण पत्र जारी किया जाना चाहिए। जाति प्रमाण पत्र जारी करने वाले अधिकारियों का कहना था कि उनका परिवार ईसाई धर्म को मानता है इसलिए उन्हें संविधान (पुडुचेरी) अनुसूचित जाति आदेश 1964 के अंतर्गत अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र नहीं दिया जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद–25 में हर व्यक्ति को अपने पसंद की पूजा पद्धति अपनाने का अधिकार है। इस अधिकार का उपयोग करते हुए कोई भी व्यक्ति नया धर्म अपना सकता है या अपने पुराने धर्म में वापसी कर सकता है। किंतु जब धर्म परिवर्तन का उद्देश्य यह हो कि उसे वंचित समाज को मिलने वाले आरक्षण का लाभ भी मिले तो ऐसी परिस्थिति में न्याय की मांग यह है कि इससे जुड़े अन्य पहलुओं पर भी विचार अवश्य होना चाहिए।

वंचित समुदाय को दिया जाने वाले आरक्षण का संबंध उनके सामाजिक वंचना की पृष्ठभूमि से जुड़ी हुई है। यह सामाजिक रूप से वंचित समुदाय को आगे लाकर शेष लोगों के बराबर लाने के उद्देश्य से दिया जाता है। अदालत ने कहा कि दूसरे धर्म में परिवर्तन करने से आमतौर पर व्यक्ति के मूल जाति की स्थिति समाप्त हो जाती है। ईसाई धर्म चूंकि जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं देता, इसलिए ईसाई होने के बाद सी. सेल्वरानी की जातीय पहचान समाप्त हो गई। अदालत के सामने एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह भी था कि क्या कोई व्यक्ति अपने पुराने धर्म में वापसी कर सकता है और इसी से जुड़ा हुआ यह भी कि अपने पुराने धर्म में वापसी के बाद क्या उसे उसी जाति का सदस्य माना जा सकेगा जिसका कि वह हिंदू धर्म छोडने के पहले था। पहले प्रश्न का उत्तर देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चूंकि हर व्यक्ति को किसी भी धर्म को मानने का अधिकार है, अतरू उसे उस धर्म को भी पुनरू अपनाने का अधिकार है जिसको छोड़कर उसने किसी दूसरे धर्म को अपना लिया था। किंतु वापस अपने धर्म में आने पर वह स्वतरू ही अपनी जाति का सदस्य नहीं मान लिया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने पहले भी इस विषय पर विचार किया था कि घर वापसी के बाद किसी व्यक्ति को अपनी पुरानी जाति का हिस्सा माना जाएगा या नहीं। सी.एम. अरुमुगम बनाम एस. राजगोपाल (1975) ने सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वापस हिंदू धर्म अपनाने पर क्या उसकी जाति के लोगों ने उसे अपना लिया है। यदि उसकी जाति के लोगों ने अपना लिया है तो उसे अपनी पुरानी जाति का हिस्सा माना जा सकेगा।

इसी तरह का प्रश्न प्रिंसिपल गुण्टूर मेडिकल कॉलेज बनाम वाई. मोहन राव (1976) के मुकदमे में भी उठा था। इसमें भी सर्वोच्च न्यायालय ने अपने पुराने मत की पुष्टि करते हुए कहा था कि अपनी पुरानी जाति द्वारा स्वीकार किए जाने का पर्याप्त साक्ष्य होने पर ही वापस पुरानी जाति का हिस्सा माना जा सकता है। सी. सेल्वरानी के मौजूद मामले में उन्हें यह साबित करना था कि हिंदू धर्म में वापसी का उसका आशय रहा हो, उसके वापस आने पर उसके समुदाय द्वारा उसके मूल जाति द्वारा अपना लिया गया हो तथा उसका हिंदू प्रथाओं को अपनाने का ईमानदार आशय रहा हो। अदालत के सामने रखे गए साक्ष्यों से स्पष्ट था कि उसका बपतिस्मा करके उसके माता–पिता के विवाह का पंजीकरण ईसाई कानून के अंतर्गत किया गया था तथा उसे जानने वालों के बयानों से भी इस तथ्य की पुष्टि हुई थी कि सी. सेल्वरानी नियमित रूप से ईसाई धर्म की परम्पराओं का पालन करती थी, इसलिए उसके पुनरू हिंदू धर्म अपनाने के दावे को अस्वीकार कर दिया गया। आरक्षण के आकर्षण तथा सामाजिक जटिलताओं के बढने के साथ सी. सेल्वरानी जैसे मामलों की संख्या में आगे और भी वृद्धि होगी। ऐसे में 'घर वापसी पर पुराने समुदाय द्वारा अपनाए जाने' के आधार पर पुराने समुदाय का हिस्सा मानने का सिद्धांत लंबे समय तक प्रभावी नहीं रह पाएगा क्योंकि पहले भी अदालत को इस सिद्धांत से पीछे हटना पड़ा है।

जहांआरा जयपाल सिंह (1972) के मुकदमे में इससे मिलती–जुलती जटिलता थी। जहांआरा एक गैर आदिवासी महिला थी किंतु उनकी शादी मुंडा आदिवासी पुरुष से हुई थी। उनके विवाह के समय और उसके बाद आदिवासी समुदाय द्वारा उसे स्वीकृति दी गई थी, इस आधार पर उन्हें आदिवासी समुदाय को मिलने वाले आरक्षण का पात्र माना गया किंतु बाद में इसके दुष्प्रभाव सामने आने लगे। लोग अनुसूचित जाति या अन्य पिछड़े वर्ग विवाह के आधार पर आरक्षण का दावा करने लगे। न्यायहित में सुप्रीम कोर्ट को पुराने सिद्धांत में परिवर्तन करना पड़ा और शोभा हिमावती देवी बनाम गंगाधर स्वामी (2005) तथा सुनीता सिंह बनाम उत्तर प्रदेश (2018) जैसे मुकदमे मे सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जाति का निर्धारण जन्म के आधार पर ही होगा तथा अनारक्षित वर्ग का व्यक्ति यदि आरक्षित वर्ग के व्यक्ति से विवाह कर लेता है तो उस समुदाय की स्वीकृति के बाद भी आरक्षण का लाभ नहीं मिल सकेगा। इन परिस्थितियों में समय का तकाजा यह है कि इस तरह के मामलों के लिए केंद्रीय स्तर पर स्पष्ट कानून बना दिया जाए।

सख्ती से पालना जरूरी

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने पैकेज्ड मिनरल वाटर (बोतलबंद पानी) को 'हाई–रिस्क फूड कैटेगरी' में वर्गीकृत किया है। यह निर्णय स्वास्थ्य और उपभोक्ता अधिकारों के दृष्टिकोण से एक महत्त्वपूर्ण पहल है। यह कदम न केवल उपभोक्ताओं को सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करेगा, बल्कि पानी की गुणवत्ता और इसके मानकों को लेकर बढ़ती चिंताओं को भी दूर करने में मददगार साबित होगा। भारत में पैकेज्ड मिनरल वाटर बेचने की शुरुआत हालांकि 1960 में हो गई थी, लेकिन 90 के दशक में यह व्यवसाय परवान पर चढने लगा। आज तो शहरों से लेकर गांव और कस्बों तक बोतलबंद पानी पहुंच गया है। बोतलबंद पानी के कारोबार का बाजार वर्ष 2022 में लगभग 20,000 करोड़ रुपए का था। यह उद्योग हर साल लगभग 15–20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। अगले वर्ष तक यह बाजार 35,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है।

बोतलबंद पानी को हाई रिस्क फूड कैटेगिरी में वर्गीकृत करने का निर्णय सही हो सकता है, लेकिन सबसे अहम सवाल यही है कि करीब छह दशक से चल रहे इस कारोबार के इस श्रेणी तक पहुंचने की नौबत क्यों आई। असल में प्राकृतिक जलस्रोत कुएं, बावड़ी धीरे–धीरे सूखते गए। नदियां प्रदूषित होने लगीं। शहरी क्षेत्रों में भूजल का अत्यधिक दोहन होने लगा। बरसात के पानी को सहजने की व्यवस्था न होने से भूगर्भ का पानी रिचार्ज नहीं हो रहा और पेयजल का संकट गहराता गया। इसी का फायदा उठाकर सैकड़ों कंपनियां बोतलबंद पानी के कारोबार में उतर गईं। आज कई ऐसी इकाइयां हैं जो मानकों पर खरी नहीं उतरतीं। ये बात किसी से छिपी हुई नहीं है। निगरानी के अभाव में सादे पानी तक को बोतल में भरकर बेचा जा रहा है। बोतल निर्माण लिए घटिया प्लास्टिक का इस्तेमाल किया जा रहा है। दोनों तरह की लापरवाही जानलेवा साबित हो रही है। ऐसे में बोतलबंद पानी के बड़े ब्रांड्स पर ही नहीं, बल्कि छोटे और स्थानीय उत्पादकों पर भी निगरानी रखनी होगी। मानकों के सख्ती से पालन करवाने से उत्पादन लागत बढ़ सकती है। ऐसे में इसे संतुलित करने के लिए सरकार रियायतें और सब्सिडी देने पर विचार कर सकती है। सरकार को खास तौर से ग्रामीण इलाकों में शुद्ध पानी की उपलब्धता को प्राथमिकता देनी चाहिए। प्राकृतिक जल संसाधनों को सहेजने की जरूरत है। कंपनियों को भी रीसाइक्लिंग और वैकल्पिक पैकेजिंग विकल्प अपनाने चाहिए। इस निर्णय के प्रभावों को संतुलित करने व सुरक्षित व सुलभ जल की उपलब्धता के लिए सरकार और कंपनियों को मिलकर काम करना होगा।

कानपुर मेट्रो: अंडरग्राउंड सेक्शन के 'डाउनलाइन' पर जल्द आरंभ होगा टनल निर्माण

एमडी ने कानपुर सेंट्रल समेत कॉरिडोर –1 और 2 के निर्माणाधीन स्टेशनों की प्रगति का लिया जायजा

कानपुर । कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के अंतर्गत कॉरिडोर–2 (सीएसए से बर्रा–8) के अंडरग्राउंड सेक्शन में टनल निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। 'अप–लाइन' पर 'गोमती' टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम मशीन) ने रावतपुर से कंपनी बाग चौराहे की दिशा में बढ़ते हुए कॉरिडोर–2 डिपो रैंप तक लगभग 620 मीटर लंबे टनल का निर्माण हाल ही में पूरा किया था। अब इस स्ट्रेच के 'डाउनलाइन' में भी जल्द टनल निर्माण आरंभ होने जा रहा है।

इसके लिए रावतपुर स्टेशन के निकट स्थित लॉन्चिंग शाफ्ट में कानपुर मेट्रो रेल परियोजना की छठी (कॉरिडोर–2 की दूसरी) टीबीएम मशीन के सभी हिस्सों को लोअर यानी जमीन के नीचे उतारने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इन हिस्सों के लोअरिंग के बाद अब टीबीएम मशीन के सभी भागों और घटकों के असेंबलिंग की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक श्री सुशील कुमार ने आज कानपुर आगमन के दौरान निर्माणाधीन स्टेशनों का दौरा किया और विभिन्न विभागों से जुड़े कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

कॉरिडोर–2 (सीएसए से बर्रा–8) के अंतर्गत रावतपुर एलिवेटेड स्टेशन से जुड़कर बन रहा अंडरग्राउंड स्टेशन, कानपुर मेट्रो के दोनों कॉरिडोर को जोड़ने वाला अहम स्टेशन होगा। यहां पिछले साल अप्रैल से डी–वॉल डालने का कार्य शुरू किया गया था। टॉप–डाउन प्रणाली से स्टेशन निर्माण कार्य के साथ–साथ यहां से टनलिंग के लिए टीबीएम मशीन भी लॉन्च होनी थी, जिसके लिए दो लॉन्चिंग शाफ्ट बनाए गए थे। यहां से 'अप–लाइन' पर कंपनी बाग चौरहा की दिशा में लॉन्च होने के बाद 'गोमती' टीबीएम मशीन ने 23 जनवरी को लगभग 620 मीटर लंबा टनल बनाकर अपना पहला ब्रेकथ्रू हासिल किया था। अब इसी स्ट्रेच के 'डाउनलाइन' पर टनल निर्माण के लिए एक और टीबीएम मशीन के सभी हिस्सों को लोअर करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।14 दिनों तक चली लोअरिंग प्रक्रिया में टीबीएम मशीन के हिस्सों को लगभग 15 मीटर गहरे लॉन्चिंग शाफ्ट में जमीन के नीचे उतारा या लोअर किया गया। सबसे पहले इस मशीन के लगभग 120 टन वजनी 'फ्रंट शील्ड' को लोअर किया गया, जिसके बाद एक– एक करके मिडिल शील्ड, कटरहेड, स्क्रू कन्वेयर, टेल शील्ड आदि हिस्से उतारे गए। टीबीएम मशीन के सभी भागों को लोअर करने के बाद इन्हें यांत्रिक घटकों, तारों आदि से जोड़ा जा रहा है। इसके बाद यह मशीन सबसे पहले रावतपुर से कंपनी बाग चौराहे की दिशा में कॉरिडोर–2 डिपो रैंप तक लगभग 620 मीटर लंबे टनल का निर्माण करेगी।विदित हो कि जमीन के नीचे लोअर की गई या उतारी गई यह टीबीएम मशीन कानपुर मेट्रो की अब तक की छठी टीबीएम मशीन है। इससे पूर्व टनल निर्माण के लिए कॉरिडोर–1 के अंतर्गत 'नाना', 'तात्या', 'आजाद' और 'विद्यार्थी' तथा कॉरिडोर–2 के अंतर्गत 'गोमती' टीबीएम मशीनों का प्रयोग किया गया है। बता दें कि लगभग 8.60 किमी लंबे कॉरिडोर–2 (सीएसए से बर्रा–8) के अंतर्गत लगभग 4.10 किमी लंबे अंडरग्राउंड और लगभग 4.50 किमी लंबे एलिवेटेड सेक्शन का निर्माण किया जा रहा है।

सीएसए से बर्रा–8 की दिशा में जाने वाली ट्रेन कृषि विश्वविद्यालय एलिवेटेड स्टेशन से आरंभ होने के बाद आगे बढ़कर अंडरग्राउंड हो जाएगी और रावतपुर, काकादेव व डबल पुलिया अंडरग्राउंड स्टेशन होते हुए वापस जमीन के ऊपर आएगी। इसके बाद ट्रेन एलिवेटेड रूट से विजयनगर चौराहा, शास्त्री चौक और बर्रा–7 होते हुए बर्रा–8 पहुंचेगी।

एमडी ने किया निर्माणाधीन स्टेशनों का दौरा

उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक, सुशील कुमार ने निदेशकध्वर्क्स एण्ड इंफ्रास्टक्चर, श्री सी.पी. सिंहय निदेशकध्रोलिंग स्टॉक, श्री नवीन कुमार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानपुर मेट्रो के निर्माणाधीन स्टेशनों का दौरा किया। श्री सुशील कुमार ने इस अवसर पर कहा कि, ''कानपुर मेट्रो की टीम मोतीझील से कानपुर सेंट्रल तक यात्री सेवा के विस्तार के लिए पूरी प्रतिबद्धता से जुटी हुई है। विभिन्न विभागों के आपसी तालमेल और सहयोग से सभी कार्य सुनियोजित ढंग से पूरे किए जा रहे हैं। चुन्नीगंज से कानपुर सेंट्रल तक सभी 5 स्टेशनों पर टनल वेंटिलेशन सिस्टम, थर्ड रेल सिस्टम, एस्केलेटर, एएफसी गेट, टिकट वेंडिंग मशीन आदि के इंस्टॉलेशन के काम पूरे कर लिए गए हैं। बारादेवी–नौबस्ता एलिवेटेड सेक्शन पर भी स्टेशन और ट्रैक निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। कॉरिडोर–2 (सीएसए– बर्रा–8) में रावतपुर से कंपनी बाग चौराहा के तरफ कॉरिडोर–2 डिपो रैम्प तक 'अप–लाइन' पर टनलिंग पूरी करने के बाद अब 'डाउनलाइन' पर भी टनल निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इसके लिए टीबीएम मशीन की लोअरिंग पूरी जा चुकी है। मुझे विश्वास है कि दोनों कॉरिडोर पर निर्माण कार्यों की यह गति ऐसे ही जारी रहेगी और जल्द ही पूरे शहर में मेट्रो से निर्बाध यात्रा का सपना साकार होगाश्श।

संक्षेप

शातिर चोर को किया गिरफ्तार

कानपुर। फजलगंज थाना क्षेत्र में बीते दिनों एक महिला के घर में हुई चोरी की घटना का खुलासा पुलिस ने किया है। आशीष पासवान नामक चोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से चोरी शत प्रतिशत समान, ज्वैलरी व नगदी बरामद कर ली गई है। एडीसीपी सेंट्रल ने प्रेस वार्ता के जरिए बताया कि बीते दिनों वृद्ध महिला बिना आहूजा अपने घर में पूजा कर रही थी तभी एक शातिर चोर उनके घर में घुस गया। वह घर का महंगा सामान, नगदी, जेवर व कुछ विदेशी करेंसी लेकर फरार हो गया। चोरी की घटना के कुलसी के लिए एसीपी स्वरूप नगर आईपी सिंह की अगवाई में टीम बनाई गई थी ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत लगाए गए कैमरों की मदद से पुलिस चोर की तलाश करते हुए उन्नाव तक गई। सैकड़ो कमरों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। इसके बाद चोर तक पहुंचा जा सका। शातिर चोर के पास से चोरी किए गए सामान की शत प्रतिशत बरामदगी गई है। डीसीपी सेंट्रल की ओर से चोरी का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को 10 हजार नगद इनाम भी दिया गया है।

मोबाइल लूट की घटना का खुलासा

कानपुर। 26 जनवरी के दिन चमनगंज थाना क्षेत्र में महिला के साथ हुई मोबाइल लूट की घटना का खुलासा कानपुर पुलिस ने कर दिया है। तेजाब मिल कॉलोनी निवासी विनीता तिवारी से मोबाइल लूटने वाले तीन लुटेरों में से दो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जबकि तीसरे की तलाश की जा रही है। एडीसीपी सेंट्रल राजेश कुमार ने बताया कि यह सभी लुटेरे अब तक आधा दर्जन से अधिक मोबाइल लूट की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। साथ ही एक बाइक भी इनके द्वारा चुराई गई है। ऑपरेशन त्रिनेत्र की मदद से इनकी पहचान की गई है। करीब 100 सीसीटीवी कैमरों को खंगालने के बाद पुलिस इन लुटेरों तक पहुंच पाई। डीसीपी सेंट्रल दिनेश त्रिपाठी ने लूट का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को 10 हजार इनाम देने की घोषणा की है।

अतिक्रमण करने वालो की खैर नही

कानपुर । महापौर प्रमिला पाण्डेय के नेतृत्व में बड़ा चौराहा से परेड स्थित आई0एम0ए0 (इंडियन मेडिकल एसोसिएशन) भवन के दोनों तरफ, परेड, उर्सला, डफरिन अस्पताल के फुटपाथ पुनः अतिक्रमण हटाया गया। बताते चलें कि मा0 महापौर जी के नेतृत्व में इसके पूर्व भी लगभग एक माह पूर्व इसी स्थान पर अतिक्रमण हटाये जाने की कार्यवाही की गयी थी, पुनः अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी गयी थी। आज के अतिक्रमण अभियान में लगभग 70 अस्थाई दुकानों को हटाया गया एव लगभग 11 हजार जुर्माना वसूला गया एवं दोबारा अतिक्रमण न करने एवं दोबारा अतिक्रमण करने पर प्राथमिकीध्एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी दी गयी। महापौर जी ने कहा कि अतिक्रमण अभियान चलता रहेगा. महापौर ने कहा कि वह जल्दी अतिक्रमण को लेकर बाजारों के दुकानदारों के साथ बैठक करेंगी जिसमें अगर दुकानों के सामने ठेले लगे तो उनकी जिम्मेदारी होगी महापौर ने कहा कि छोटे पैमाने पर कारोबार करने वाले बहुत लोग है, किन्तु फुटपाथ, सड़क घेरकर कारोबार करना गलत है। उर्सला, डफरिन, ब्लड बैंक में मरीजों, एबुलेन्स को आने जाने में परेशानी होती है बताते चलें कि इससे पहले महापौर बेकनगंज, सीसामऊ, गोविंद नगर बाबू पुरवा जैसे इलाकों में अतिक्रमण हटवा चुकी हैं महापौर ने एक बार फिर दोहराया कि जिन जगहों पर अतिक्रमण है रहा है अगर वहां दोबारा अतिक्रमण हुआ तो जोनल अधिकारियों को जिम्मेदार माना जाएगा। इस अवसर पर जोनल अधिकारी, जोन–1 विद्या सागर यादव अपनी टीम के साथ, डा0 राम किशोर, पशु चिकित्सा अधिकारी एवं प्रर्वतन दल की टीम उपस्थित रहीं

उपचार के दौरान मौत, कोहराम

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के गलरिया गांव निवासी अमरनाथ पटेल के 26 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार पटेल की उपचार के दौरान बुधवार सुबह वाराणसी स्थित एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। युवक की मौत की खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। बीते सोमवार को सोनू कुमार बाइक से अपनी बहन गीता देवी को उनकी ससुराल लालगंज थाना क्षेत्र के निनवार गांव पहुंचाने जा रहे थे। रास्ते में पेट्रोल पंप पर तेल भराने के बाद जैसे ही लालगंज थाना क्षेत्र के महुअट गांव में पहुंचे तो सामने से आ रही कार से आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे में सोनू कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए और पीछे बैठी बहन को भी चोटें आई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल भाई बहन को उपचार हेतु मंडलीय अस्पताल भिजवाया। जहां सोनू की गंभीर चोट को देखते हुए चिकित्सकों ने वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। वाराणसी में एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान युवक की सुबह मौत हो गई। वहीं घायल गीता देवी की हालत सामान्य बताई जा रही है। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक दो भाइयों में छोटा और अविवाहित था। बेटे की मौत की खबर पाकर मां सीता देवी और परिजन रोने बिलखने लगे।

पेड़ के ऊपर से गुजरा था हाई वोल्टेज तार, चपेट में आकर झुलसा

मीरजापुर। इंसान भी गजब का है खुद्द की जान की फ्रिक होती है और दुसरो की मानों तो कोई कीमत ही नहीं होती है। ऐसा ही एक वाकया जिले में बुधवार को देखने को मिला है जिसे देख सुनकर लोग बिफर पड़ रहें हैं। दरअसल, पूरा मामला यह है कि मिर्जापुर जिले के थाना देहात कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत अर्जुनपुर में एक पेड़ के ऊपर से 11000 हाई वोल्टेज का विद्युत तार गुजर है। जिसकी चपेट में आने से एक किशोर बुरी तरह से झुलस गया है जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया गया है कि गांव निवासी दीपू कुमार बिंद पुत्र सियाराम 12 वर्ष, घर के ही बगल में मुर्गे के दुकानदार के कहने पर समीप के पेड़ पर चढ़कर बिजली का तार काटने के लिए चढ़ गया था। जिसे इस बात का जरा भी पता नहीं था कि पेड़ के ऊपर से 11000 हाई वोल्टेज का तार गुजरा हुआ है और ही दुकानदार ने ऐसी जानकारी दी। पेड़ पर चढ़ा किशोर जैसे ही आगे बढ़ा था कि हाई वोल्टेज का तार के स्पर्श से वह एक झटके से नीचे आ गिरा। जमीन पर गिरते वह गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसे वहां मौजूद ग्रामीणों द्वारा आनन–फानन में जिला मंडलीय अस्पताल ले आया गया, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों से जानकारी लेने पर पता चला कि उसकी स्थिति अभी नाजुक बनी हुई है।

डीएम ने विद्यालय में भूमि पूजन कर निर्माण कार्य कराया प्रारम्भ

रायबरेली।जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा मंगलवार को जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय सलोन में शिक्षण कक्ष के निर्माण हेतु भूमि पूजन किया।

समाज कल्याण विभाग द्वारा जनपद में संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय सलोन का जिलाधिकारी ने बीती 3 अगस्त को निरीक्षण किया गया था।जिसमें कक्षा–6 से 8 की संचालित कक्षाओं के भवन का निरीक्षण किया गया था।जो अत्यन्त जर्जर अवस्था में पाया गया था। जिलाधिकारी द्वारा कॉरपोरेट सोशल रेस्पान्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत इस आवासीय विद्यालय में छात्रों के लिए नवीन तीन कमरों एवं शौचालयो के निर्माण हेतु धनराशि 49.74 लाख रुपए के प्रोजेक्ट को स्वीकृत कराकर निर्माण हेतु भूमि पूजन कर निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया गया।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सलोन मिथिलेश त्रिपाठी, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रृष्टि अवस्थी सहित सम्बन्धित कार्मिक उपस्थित रहे।

बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाकर किया भुभारम्भ

प्रतापगढ। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस–2025 के अवसर पर जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। उसके उपरान्त जिलाधिकारी ने स्वयं पहले एल्बेंडाजोल की

➤ डीएम ने राश्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बारे में राजकीय बालिका इण्टर कालेज एवं एमडीपीजी कालेज में छात्र–छात्राओं को किया जागरूक

दवा खाकर तथा बालिकाओं को एल्बेंडाजोल के टैबलेट खिलाकर शुभारंभ किया गया एवं बच्चों को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के उद्देश्य के बारे में बताया। जिलाधिकारी ने कहा कि एल्बेंडाजोल दवा नुकसान नही करती है, पेट में कृमि संक्रमण से बचाव के लिए यह दवा अत्यंत आवश्यक है। सभी बच्चों को इस गोली का सेवन जरूर करना चाहिए और अपने परिवार, मोहल्ले व आसपास के बच्चों को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की एक बड़ी पहल है। वर्ष 2015 से भारत सरकार ने 1 से 19 वर्ष की आयु की बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को देखते हुए उनमें कृमि को दूर करने के लिए और उनमें एनीमिया, कुपोषण आदि को दूर करने के लिए राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस प्रारंभ किया है।

मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद ने बताया है कि प्रत्येक वर्ष 10 फरवरी और 10 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि दिवस मनाया जाता है। 1 से 19 वर्ष के सभी बच्चों को एल्बेंडाजोल की टैबलेट्स निशुल्क रूप से उपलब्ध कराई जाती है। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर सरकारी, गैर सरकारी, मदरसा, आंगनवाड़ी केन्द्रो पर 17 लाख बच्चों को आज एल्बेंडाजोल की टैबलेट्स खिलाया जा रहा है जो बच्चे छूट जाएंगे उनको दूसरे चरण में 14 फरवरी को खिलाया जायेगा। इस अवसर पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्रा कुमारी महिमा तिवारी कक्षा आठ को राष्ट्रीय स्तर पर बाल वैज्ञानिक के रूप में चयनित होने पर जिलाधिकारी ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ की प्रध ानाचार्य गीता ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन उप प्रधानाचार्य डा0 मो0 अनीस द्वारा किया गया। उपरान्त जिलाधिकारी ने एमडीपीजी कालेज पहुँचकर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के कार्यक्रम में सम्मिलित हुये तथा छात्र–छात्राओं को एल्बेंडाजोल की दवा खाने के लिये प्रेरित किया। उन्होने छात्र–छात्राओं से कहा कि कठिन परिश्रम और लगन के साथ पढ़ाई करें और यूपीएससी व पीसीएस आदि परीक्षाओं की तैयारी कर अपने सपने को साकार कर अपने जनपद, प्रदेश व देश का नाम रोशन करें।

अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल दिलीपपुर का किया उद्घाटन

दिनांक 10 फरवरी 2025 प्रतापगढ़। अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल दिलीपपुर का उदघाटन पूर्व मंत्री के प्रतिनिधि विनोद कुमार पाण्डेय व विकास खण्ड प्रमुख सुशील सिंह द्वारा किया गया। अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल दिलीपपुर में कुल 05 गोवंश है जिसमें भूसा–15 कुन्तल, 80 किलो ग्राम चूनी–चोकर की उपलब्धता है। इस दौरान उपस्थित लोगों को अवगत कराया गया है कि मुख्यमंत्री सहभागिता योजना अंतर्गत गोशाला से एक पशुपालक को 04 गोवंश दिया जाना है जिसमें उनको भरण पोषण हेतु सरकार द्वारा धनराशि उनके बैंक खाते में डी बी टी के माध्यम से भेजा जाता है। इस दौरान उपस्थिति अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। इस दौरान खंड विकास अधिकारी बाबाबेलखरनाथधाम, प्रभारी पशु चिकित्साधिकारी गजरिया, पशुधन प्रसार अधिकारी दिलीपपुर, ग्राम प्रधान दिलीपपुर और क्षेत्रीय पशु पालक भी उपस्थित रहे हैं।

चालक की असावधानी के चलते साइकिल सवार वृद्ध घायल

बछरावा, रायबरेली।कार चालक की असावधानी साइकिल सवार वृद्ध को भारी पड़ गई, साइकिल समेत कार के गेट में टकराकर वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। मंगलवार की शाम साइकिल सवार वृद्ध बछरावां बाजार से घर वापस जाते समय प्रयागराज मार्ग पर खड़ी हुई कार के बगल से निकल रहा था। तभी अचानक कार चालक के द्वारा गेट खोल दिया गया। जिसमें वृद्ध टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी प्राप्त हुई है, कि वृद्ध साइकिल सवार श्यामलाल पुत्र स्वर्गीय दूलम उम्र 60 वर्ष निवासी ग्राम कन्नावा जो अपनी साइकिल से बछरावां बाजार में घरेलू सामान खरीदने के लिए आया हुआ था। लखनऊ प्रयागराज मार्ग होते हुए वापस अपने गांव की ओर जा रहा था। तभी कस्बे की मस्जिद कट के पास एक कार खड़ी हुई थी। बगल से निकलते समय कार चालक की लापरवाही के चलते अचानक गेट खोल दिया गया। और वृद्ध गेट से टकराकर गिरने से अचेत हो गया।

गल्ले की दुकानों पर राशन वितरण में सर्वर बना मुसीबत

बीजपुर(सोनभद्र) स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा बीजपुर पुनर्वास प्रथम स्थित सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान पर तीन दिन से सर्वर की गड़बड़ी होने के कारण कार्ड धारकों को राशन नहीं हो रहा हैं इससे उनमें आक्रोश व्याप्त है।आक्रोशित कार्ड धारकों ने जिलापूर्ति अधिकारी से शिकायत कर राशन वितरण करवाए जाने की मांग किया है।कार्ड ध ारक गीता विश्वकर्मा,कमलेश गुप्ता,आनंद सिंह सहित दर्जनों कार्ड ध ारकों ने बताया कि हम लोग तीन दिन से राशन दुकान पर गल्ला लेने के लिए चक्कर लगा रहे हैं दुकानदार सुगनी देवी द्वारा कहा जा रहा हैं कि सर्वर की गड़बड़ी से मशीन नहीं काम कर रहा हैं जिससे राशन वितरण में कठिनाई आ रही है।मंगलवार को उपभोक्ताओं ने दुकानदार के सामने विरोध प्रदर्शन कर राशन लेने के लिए बवाल काटा कहा उच्चाधिकारियों को इस समस्या का तत्काल समाधान कराना चाहिए।हम दूर दराज से आवश्यक कार्य छोड़कर राशन लेने आते है तो यहां सर्वर खराब बता कर वापस कर दिया जा रहा है इससे कार्डधारकों में आक्रोश व्याप्त है।कार्ड ध ारकों ने चेतावनी देते हुए कहा जल्द समस्या का समाधान नहीं कराया गया तो हम सब इसके लिए विरोध प्रदर्शन के लिए बाध्य होगें।इस बाबत आपूर्ति निरीक्षक संदीप श्रीवास्तव से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया सर्वर में तकनीकी समस्याएं आ गई है ।

बौद्ध महोत्सव का आयोजन मऊ में आज– सोनभद्र। गौतम बुद्ध विहार मऊकला में सोनभद्र में आज बुधवार को बौद्ध महोत्सव का आयोजन किया गया है। जिसमें मुख्य अतिथि सांसद छोटेलाल खरवार एवं विशिष्ठ अतिथि सदस्य विधान परिषद आशुतोष सिन्हा उपस्थित रहेंगे। साथ ही मुख्य वक्ता के रूप में प्रो0रमेश चन्द्र नेगी, डा0तेनजिंग नाइमा नेगी एवं डा0मेहेर सिंग नेगी होंगे। इस आशय की जानकारी मुख्य संरक्षक एवं पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने दी है।

माघी पूर्णिमा के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं संघ में आयोजित किया भंडारा

लाल गोपालगंज। माघी पूर्णिमा के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लाल गोपालगंज गंगापार प्रयागराज के तत्वाधान में महाकुंभ में आए हुए श्रद्धालुओं के संगम स्नानार्थियों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों भक्तगण भंडारे का प्रसाद हुआ जल पान करके आशीर्वाद दिया। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन प्रदीप केसरवानीअमित जी अवधेश चंद्र गुप्ता आरएसएस प्रमुख, आदि रहे हैं।

हत्यारों की गिरफ्तारी की चौरसिया समाज ने की मांग

आजमगढ़। भाजपा के जिला महामंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा मिथिलेश चौरसिया तिवारी के नेतृत्व में चौरसिया समाज के लोगों ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश। को नामित एक ज्ञापन सौंपते हुए मिथिलेश चौरसिया तिवारी ने कहा कि रविवार की रात में बेखौफ अज्ञात हत्यारों द्वारा बलिया खेजुरी, थाना क्षेत्र के मासूमपुर (बहेरी) गांव में शिक्षक श्यामलाल चौरसिया उम्र 60 वर्ष और उनकी पत्नी बासमती देवी उम्र 55 वर्ष की धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गयी। परन्तु अभी तक हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। मृतक चौरसिया दम्पत्ति घर से 200 मीटर की दूरी पर एक निजी विद्यालय में शिक्षक थे। दोनों के शव घर के दरवाजे के बाहर मिले घर से 500 मीटर की दूरी पर पुलिस चौकी है। यह घटना सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है। सर्वसमाज में चौरसिया समाज अपने कुशल व्यवहार के लिए जाना जाता है। चौरसिया समाज के शत–प्रतिशत लोग चोरी हत्या डकैती से दूर है और राष्ट्रहित में सदैव अपनी भागीदारी देते है।

हम सभी चौरसिया समाज के लोग मांग करते है कि उक्त घटना में शामिल लोगों को अगर 48 घण्टे के अन्दर पुलिस हत्यारों को गिरफ्तार नहीं करती है, तो चौरसिया समाज पूरे उत्तर प्रदेश में सड़क पर उतरकर एक बडा आन्दोलन करने के लिए बाध्य होगा। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस मौके पर मृगांक शेखर सिन्हा नगर अध्यक्ष भाजपा डॉ अरुण चौरसिया प्रदेश प्रभारी नीरज सिंह नगर महामंत्री युवा मोर्चा विनित चौरसिया जिलाध्यक्ष कृष्णा चौरसिया जगपाल चौरसिया जिला उपाध्यक्ष चौरसिया महासभा बालकृष्ण चौरसिया योगेंद्र यादव अजय मौर्या सूरज सोनकर उपस्थित रहे.

परिश्रम के माध्यम से शीर्ष स्थान पर पहुंचे–डीएम

प्रतापगढ़। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ में कक्षा 12 की छात्राओं का सम्मान एवं विदाई समारोह विद्यालय परिवार की तरफ से बड़े हर्षोल्लास धूमधाम एवं भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने गीत, गजल, नाटक, अंताक्षरी, नुक्कड़ नाटक, सामूहिक नृत्य, विदाई गीत आदि के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक और शिक्षकों ने छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने छात्राओं को आशीर्वाद दिया और कहा कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है, आप सभी खूब परिश्रम करें और अच्छे अंक प्राप्त करें। परिश्रम के माध्यम से सफलता प्राप्त कर अपने जीवन में शीर्ष स्थान पर पहुंचे तथा इस विद्यालय का नाम रोशन करें।

जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा ने भी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की और भविष्य में उन्हें एक योग्य और सफल नागरिक के रूप में रहने की सलाह दी और कहा कि आप अपने जीवन में सर्वश्रेष्ठ पदों पर पहुंचे और अपने कार्यों से अपने विद्यालय, अपने परिवार, अपने जनपद और अपने राष्ट्र का नाम रोशन करें यही आपकी विद्यालय के लिए गुरु दक्षिणा है। विद्यालय परिवार आप सबको हमेशा याद रखेगा, आपसे बिछड़ने का गम हम सबको भी है। कार्यक्रम के प्रारंभ में छात्राओं को माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा घोषित कार्यक्रम परीक्षा पर चर्चा का लाइव रिकॉर्डिंग भी सुनाई गई

कार्यक्रम का संयोजन गीता प्रधानाचार्य एवं डॉ मोहम्मद अनीस उप प्रधानाचार्य द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉक्टर कल्पना, डॉक्टर अस्मत नीलू अंसारी, मधु रावत, मंजू कुशवाहा, सीमा श्रीवास्तव, डॉ प्रियंका, कीर्ति लता जायसवाल, शिखा श्रीवास्तव, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, सीमा,सिद्धार्थ श्रीवास्तव, उमर जमील, अमित श्रीवास्तव, राजेश यादव, कपेन्द्र सिंह, अनुपम भट्ट धीरज, हरि कृष्ण, अरुण चंद्र तिवारी एवं समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

आधा दर्जन से अधिक श्रद्धालुओं के फोन-पर्स चोरी

महाकुम्भ नगर। मेला क्षेत्र में एक ओर श्रद्धालुओं का रेला उमड़ रहा है, तो वहीं दूसरी ओर भीड़ के बीच चोरों के गिरोह भी सक्रिय हैं। ये गिरोह मौका पाकर श्रद्धालुओं के मोबाइल व अन्य सामान चोरी कर रहे हैं। मेला में अब तक लगभग डेढ़ सौ से अधिक चोरियां हो चुकी हैं। पीड़ित रिपोर्ट भी दर्ज करा रहे हैं लेकिन अब तक एक भी चोर पकड़ा नहीं गया। माघी पूर्णिमा पर भी चोरों ने कई श्रद्धालुओं को निशाना बनाया।

माघी पूर्णिमा पर बिहार की सरन दिघवारा निवासी मिक्की देवी अपने पति के साथ संगम स्नान करने आई थीं। उनके पति संगम स्नान करने के बाद कपड़े बदल रहे थे, इसी बीच पर्स चोरी हो गया। पर्स में दो मोबाइल, चार हजार रुपये व अन्य जरूरी कागज थे। लखनऊ के वजीरगंज निवासी अजय गुलाटी का सेक्टर चार से गुजरते समय मोबाइल चोरी हो गया। गुजरात के अमरोल निवासी देवमुरारी, विभव कुमार, प्रेम दास भाई ने पुलिस को तहरीर दी कि बड़े हनुमान मंदिर के समीप मोबाइल चोरी हो गया लिया। उन्नाव के गंगाघाट निवासी हिरेश गुप्ता का संगम घाट से आईफोन सहित अन्य सामान गायब हो गया। पुणे पोरवल आशियाना निवासी अंकिता रमन ने तहरीर देकर बताया कि वह अपने पति के साथ संगम स्नान करने के लिए आई थी। सेक्टर 21 स्थित घाट में स्नान के दौरान किसी ने उनका बैग गायब कर दिया। कुम्भ पुलिस का कहना है कि मुकदमे दर्ज कर शातिरों की तलाश की जा रही है।

फाल्गुन में भी दमका महाकुम्भ का संसार

महाकुम्भ नगर। माघी पूर्णिमा के साथ ही माघ महीना भले ही बीत चुका हो लेकिन अब भी श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। फाल्गुन के पहले दिन भी मेला क्षेत्र में जमकर आस्थावान उमड़े। सुबह से संगम तट पर वैसा ही नजारा रहा जैसे माघ के स्नान पर्वों पर होता है। सुबह शहर की ओर भीड़ कम दिखी तो लगा अब माघ महीने वाली रंगत नहीं आएगी, लेकिन जैसे–जैसे दिन चढ़ने लगा उत्साहित श्रद्धालु गंगा मइया के जयकारे लगाते हुए संगम की ओर बढ़ने लगे। धीरे–धीरे ऐसी भीड़ उमड़ी कि शाम तक 70 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पावन त्रिवेणी में स्नान कर लिया था। माघ, कुम्भ या महाकुम्भ मेले में सभी तैयारियां आमतौर पर महाशिवरात्रि तक रखी जाती है, लेकिन यह केवल सरकारी तौर पर घोषित होता है। माघी पूर्णिमा पर कल्पवासियों के जाने के साथ ही मेला खाली हो जाता है अबकी ऐसा नहीं हुआ। शायद 144 साल बाद लगने वाले पूर्ण कुम्भ में अमृत पान की कामना हो या फिर महाकुम्भ के प्रचार का असर हो, लेकिन अभी लोगों का आना कम नहीं हो रहा है। गुरुवार को श्रद्धालुओं की भीड़ को देखकर स्पष्ट अंदाजा लगाया जा सकता है कि जो लोग भी अब तक बचे हुए हैं, वो शिवरात्रि से पहले संगम स्नान जरूर करेंगे। महाकुम्भ नगर। माघ महीने के दौरान जहां प्रशासन के अफसर 10 लाख कल्पवासियों को यहां मान रहे थे, वहीं फाल्गुन प्रतिपदा के दिन प्रशासन ने पांच लाख कल्पवासियों को ही महाकुम्भ नगर में माना, यानी आधे कल्पवासी यहां से जा चुके हैं। इसके बाद भी स्नानार्थियों की संख्या कम नहीं हो रही है।

नई तकनीक से स्टार्टअप की सुरक्षा होगी मजबूत

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) में 'साइबर सुरक्षा उद्यमिता विषय पर चल रही कार्यशाला के चौथे दिन गुरुवार को गवर्नेंस, रिस्क और कंप्लायंस (जीआरओ) विषय पर वक्ताओं ने अनुभव साझा किए। संयुक्त राज्य अमेरिका अमेजन वेब सर्विसेज के कुलदीप सिंह ने कहा कि बताया कि कैसे नवीनतम तकनीकी को अपनाकर स्टार्टअप अपने सुरक्षा ढांचे को मजबूत बना सकते हैं।

संगम में नाव पलटने के बाद बचाए गए एक श्रद्धालु की अस्पताल में मौत, दो का अब तक नहीं लगा सुराग

प्रयागराज। संगम में एक दिन पहले डूबे देवर–भाभी का दूसरे दिन भी पता नहीं चल सका। जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमों ने सर्च ऑपरेशन चलाया। लेकिन, उनका कुछ पता नहीं चल पाया।

संगम में एक दिन पहले डूबे देवर–भाभी का दूसरे दिन भी पता नहीं चल सका। जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमों ने सर्च ऑपरेशन चलाया। लेकिन, उनका कुछ पता नहीं चल पाया। उधर, अस्पताल में भर्ती दो लोगों में से एक श्रद्धालु की बुधवार रात मौत हो गई। जबकि दूसरे की हालत भी गंभीर बनी रही।

मंगलवार दोपहर 3रू00 बजे के करीब संगम में हादसे में नौ लोग नदी में डूबे थे। इनमें से सात को बचा लिया गया था। जबकि, देहरादून के जीएमएस रोड मोहित विहार निवासी ललिता देवी (60) पत्नी बृजलाल प्रसाद व उनके फुफेरे देवर सुरेश चंद्र (65) लापता हो गए थे। बुधवार सुबह जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमों ने संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

तलाश में लगी टीमें अलग–अलग नावों से अरैल और झूंसी के छतनाग तक गईं। लेकिन, कुछ पता नहीं चल पाया। सीओ जल पुलिस रजनीश यादव ने बताया कि संगम से लेकर अरैल और छतनाग तक तलाश की गई। लेकिन, दोनों का कुछ पता नहीं चला। बृहस्पतिवार को एक बार फिर से नदी में अलग–अलग स्थान पर जाल लगवाकर तलाश की जाएगी।

उधर हादसे में बचाए जाने के बाद अस्पताल में भर्ती दो लोगों में से महावीर प्रसाद (65) ने बुधवार रात 8रू00 बजे के करीब दम तोड़ दिया। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर संतोष सिंह ने बताया कि फेफड़ों में पानी भर जाने के कारण वह सांस नहीं ले पा रहे थे। ऐसे में उन्हें बाईपैक विधि से सांस दी जा रही थी। हालांकि तबीयत बिगड़ती चली गई और फिर उन्हें वेंटिलेटर पर रखना पड़ा।

रात 8रू00 बजे के करीब उनकी सांसें थम गईं। अस्पताल पहुंचे रिश्तेदार रामगोपाल मित्तल ने बताया कि अस्पताल में भर्ती बृजलाल प्रसाद (65) की भी हालत गंभीर बनी हुई है। मृतक महावीर बृजलाल की बुआ के लड़के थे। उन्होंने बताया कि घरवाले पोस्टमार्टम नहीं करना चाहते हैं और इस संबंध में पुलिस को लिखकर दे दिया गया है। वह सुबह शव लेकर देहरादून के लिए रवाना होंगे। संगम में डूबे दो स्नानार्थियों का 24 घंटे बाद भी सुराग नहीं मिलने पर सुरक्षा संबंधी इंतजाम को लेकर दावों पर सवाल खड़े हो गए हैं। महाकुंभ से पहले करोड़ों के अंडरवाटर ड्रोन, सोनार, लाइफबॉय समेत जो अन्य उपकरण खरीदे गए, वह आखिर काम क्यों नहीं आए। स्नानार्थियों की सुरक्षा के लिए जल पुलिस, पीएसी, एनडीआरफ–एसडीआरएफ के साथ ही देशभर से बुलाए गए डीप डाइवर व सैकड़ों की संख्या में प्राइवेट गोताखोरों को भी स्नान घाटों पर तैनात करने का दावा पुलिस प्रशासन की ओर से किया गया था।

यह भी कहा गया था कि जल में सुरक्षा के लिए मंगाए गए अत्याधुनिक उपकरण नदी में कोई हादसा होने पर त्वरित सहायता पहुंचाने में मददगार साबित होंगे। हालांकि, मंगलवार को हादसे के दौरान यह सारे इंतजाम धरे रह गए।

देहरादून के छह और बंगलूरू के तीन श्रद्धालु मंगलवार दोपहर स्नान करने अरैल से संगम पर पहुंचे थे। स्नान करने के बाद सभी वापसी के लिए नाव पर चढ़ने लगे और इसी दौरान एक तरफ भार ज्यादा हो जाने के कारण नाव पलट गई। इससे उसमें सवार श्रद्धालु संगम में गिर गए और डूबने लगे। इनमें से बंगलूरू के तीन और देहरादून के चार श्रद्धालुओं को बचा लिया गया। जबकि, दो लापता हो गए थे। लगातार दूसरे दिन भी घंटों तलाश किए जाने के बाद भी उनका कुछ पता नहीं चल सका।

फाल्गुन के महीने में संस्कृति, पर्यावरण और बर्ड फेस्टिवल का होगा संगम

प्रयागराज। महाकुंभ में माघ पूर्णिमा के स्नान के बाद अब फाल्गुन के महीने में सांस्कृतिक, पर्यावरण और बर्ड फेस्टिवल का संगम होगा। 14 फरवरी से यमुना, सरस्वती और त्रिवेणी पंडाल में सांस्कृतिक आयोजन होंगे।

महाकुंभ में माघ पूर्णिमा के स्नान के बाद अब फाल्गुन के महीने में सांस्कृतिक, पर्यावरण और बर्ड फेस्टिवल का संगम होगा। 14 फरवरी से यमुना, सरस्वती और त्रिवेणी पंडाल में सांस्कृतिक आयोजन होंगे। 16 फरवरी को जलवायु सम्मेलन होगा और दूसरी तरफ तीन दिवसीय बर्ड फेस्टिवल का आयोजन भी किया जाएगा। गंगा पंडाल में बॉलीवुड गायक कैलाश खेर, मोहित चौहान, कविता सेठ, नवदीप वडाली सरीखे कलाकारों को सुनने का अवसर मिलेगा। फाल्गुन मास की सुरमयी सांझ में शुक्रवार से त्रिवेणी, यमुना व सरस्वती पंडाल पर कार्यक्रम शुरू होंगे। महाकुंभ की अवधि के दौरान कैलाश खेर, मोहित चौहान, सुचेता भिड़े, कविता सेठ, नितिन मुकेश सरीखे नामचीन कलाकारों की भी प्रस्तुति होगी। इस दौरान शास्त्रीय संगीत, वायलिन, तबला, बांसुरी वादन, ध्रुपद गायन, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, कथक, ओडिसी नृत्य विधा के कलाकार महाकुंभ में अपनी प्रतिभा बिखेरेंगे।

आस्था के साथ ही महाकुंभ प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देगा। सीएम योगी के निर्देश पर श्रद्धालुओं के लिए ईको टूरिज्म का विशेष प्लान भी बनाया गया है। 16 से 18 फरवरी तक अंतरराष्ट्रीय बर्ड फेस्टिवल होगा। इसमें लगभग 200 प्रजातियों के पक्षियों का महाकुंभ भी होगा। इसमें लुप्तप्राय इंडियन स्कीमर, फ्लेमिंगो और साइबेरियन क्रेन आदि का दीदार कर सकेंगे। यहां साइबेरिया, मंगोलिया, अफगानिस्तान समेत लगभग एक दर्जन से अधिक देशों से साइबेरियन पक्षी का भी दीदार होगा। फेस्टिवल के दौरान फोटोग्राफी, पेंटिंग, स्लोगन लेखन, वाद–विवाद, प्रश्नोत्तरी समेत अनेक प्रतियोगिताएं होंगी। इनके विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय बर्ड फेस्टिवल भारतीय संस्कृति, प्रकृति प्रेम व वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अनूठा मिश्रण होगा।

यूपी के पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन विभाग की तरफ से महाकुंभ में कुंभ की आस्था व जलवायु परिवर्तन पर जलवायु सम्मेलन भी होगा। इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटना और जलवायु सुधार को लेकर प्रेरित करना है। सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिरकत करेंगे। साथ ही धर्मगुरु, पर्यावरणविद, अनेक सामाजिक संगठन, उद्योग व व्यापारिक जगत के साथ ही गणमान्य नागरिक भी हिस्सा लेंगे।

दूसरे चरण की प्रयोगात्क परीक्षा 16 तक

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की दूसरे चरण की प्रयोगात्मक परीक्षा शुरू है। दूसरे चरण की प्रयोगात्मक परीक्षा का समापन 16 फरवरी को होगा। इसमें आगरा, सहारनपुर, बरेली, लखनऊ, झांसी, चित्रकूट, अयोध्या, आजमगढ़, देवीपाटन व बस्ती मंडल के जिलों में प्रयोगात्मक परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। भौतिक विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए सर्वाधिक 1650482 व रसायन विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए 1650937 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

विदेश में व्लॉग बनाने वाले महाकुम्भ की आभा देख हैरान

महाकुम्भ नगर। विदेश में व्लॉग शूट करने वाले महाकुम्भ की आभा देख हैरान हैं। अहमदाबाद के रहने वाले बंसी बिश्नोई विदेशों में व्लॉग बनाते हैं। पिछले तीन दिन से बंसी महाकुम्भ की आभा दुनिया को दिखा रहे हैं। अपनी कार एक पार्किंग में खड़ी कर महाकुम्भ की सैर कर रहे बंसी ने एक व्लॉग में कहा कि अरबों डॉलर के महाकुम्भ की तैयारी अद्भुत है। तीन किमी तक चौड़े गंगा के कछार में बसाई गई अस्थाई नगरी का पांटून पुल, लोहे की सड़कें, रेती में ऊंट की सवारी बंसी को बहुत अच्छी लगी। कड़ियों में दिखा रहे महाकुम्भ की खूबसूरती के बारे में बंसी का कहना है कि पूरा मेला घूमने के लिए कम से कम 10 दिन का समय चाहिए। इससे पहले बंसी मेडागस्कर, बुरुंडी की सैर पर थे।

आशुतोष राणा ने किया संगम स्नान, शंकराचार्य से लिया आर्शीवाद

महाकुम्भ नगर। बालीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों में दमदार अभिनय करने वाले आशुतोष राणा ने महाकुम्भ के माघी पूर्णिमा स्नान पर्व पर संगम स्नान किया। संगम स्नान के बाद आशुतोष राणा शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से आशीर्वाद लेने के लिए महाकुम्भ नगर स्थिति उनके शिविर में गए। शंकराचार्य से आर्शीवाद लेने के पश्चात आशुतोष राणा वाराणसी रवाना हो गए। महाकुम्भ नगर से रवाना होने के पहले आशुतोष राणा ने कहा कि संगम स्नान के बाद दुनिया के सबसे बड़े महापर्व में आकर संगम स्नान करके अत्यधिक सकारात्मक अनुभूति हुई और मेरी अंतरात्मा को धार्मिक संतुष्टी प्राप्त हुई। इस दौरान आशुतोष राणा के साथ दद्दा शिष्य मंडल के योगेश चंद्र यादव, संतोष उपाध्याय, इशू राज, सुधीर आदि लोग मौजूद रहे।

महिला सफाई इंस्पेक्टर से हाथापाई करने वाले की गिरफ्तारी नहीं, रोष

प्रयागराज। नौकायान घाट पर महिला सफाई इंस्पेक्टर पूजा सिंह के साथ मारपीट करने वाले आरोपी बजरंगी निषाद, नितिन निषाद व अन्य की गिरफ्तारी नहीं होने से नगर निगम के सफाईकर्मियों में गुस्सा बढ़ रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि 10 फरवरी को सफाई निरीक्षक के साथ मारपीट के मामले में मुट्ठीगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। एफआईआर दर्ज कराने के लिए कर्मचारियों ने थाने का घेराव किया था। एफआईआर दर्ज होने के 48 घंटे बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से कर्मचारियों ने आक्रोश जताया। कर्मचारियों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग से भी बात की। नगर आयुक्त ने आरोपी को गिरफ्तार कराने का आश्वासन दिया है।

हेलीकॉप्टर, चार्टर प्लेन से डुबकी लगाने महाकुंभ आ रहे श्रद्धालु, 28 शहरों में सेवा शुरू

प्रयागराज। महाकुंभ की आभा लोगों को बरबस अपनी ओर खींच रही है। देश के कोने–कोने से श्रद्धालु पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। कुछ श्रद्धालु हेलीकॉप्टर बुक कर सीधे संगमनगरी ही नहीं पहुंच रहे बल्कि वाराणसी, चित्रकूट और अयोध्या भी जा रहे हैं। महाजाम और भारी भीड़ के कारण वाराणसी के 22 लोगों ने संगम स्नान के लिए हेलीकॉप्टर की सेवाएं लीं। उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड और फ्लाई ओला के सहयोग से प्रयागराज एयरपोर्ट पर हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की गई है। यहां 35 हजार रुपये में एक व्यक्ति की बुकिंग हो रही है। श्रद्धालुओं को हेलीकॉप्टर से बोट क्लब हेलीपैड तक लाया जाता है। वहां से उन्हें बोट से संगम लाया जाता है। संगम स्नान के बाद उसी बोट से हेलीपैड लौटते हैं और फिर हेलीकॉप्टर से वापस एयरपोर्ट पहुंच जाते हैं। महाकुम्भ में चार्टर प्लेन भी अतिविशिष्ट लोगों को लेकर उतर रहे हैं। एक फरवरी से दस फरवरी के बीच ही 282 चार्टर प्लेन आए हैं। आठ फरवरी को सर्वाधिक 60, नौ फरवरी को 56, दस फरवरी को 32 और सात फरवरी को 37 चार्टर प्लेन आए। अर्थात चार दिन में 185 चार्टर प्लेन से आए वीआईपी लोगों ने संगम पहुंचकर स्नान किया। महाकुम्भ नगर के लिए 35 हजार रुपये, वाराणसी व चित्रकूट के लिए 78 हजार रुपये, अयोध्या के 1.03 लाख रुपये और नैमिषआरण्य के लिए 1.53 लाख रुपए निर्धारित है। फ्लाई ओला ग्रुप के सीईओ कैप्टन आरएस सहगल ने बताया कि शासन की मंशा पर देश के 28 बड़े शहरों से पवित्र संगम के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की गई है।

महाकुंभ में मिल रही पेन–पेंसिल से उगेगा पौधा, टमाटर से लेकर उगा सकेंगे तुलसी भी

प्रयागराज। महाकुंभ में इस तरह की पेन और पेंसिल बिक रही है, जो लिखने के काम तो आएगी ही स्याही समाप्त होने पर जब इसे गमले या मिट्टी में फेकेंगे तो पौधा उग जाएगा। किसी से टमाटर का पौधा उगेगा तो किसी से तुलसी तो किसी से गुलाब, और गेंदा। यह इको फ्रेंडली पेन–पेंसिल बिक रही मेला क्षेत्र के सेक्टर दो स्थित केंद्रीय डाक घर से। मेला क्षेत्र में केंद्रीय डाक घर की स्थापना यहां आने वाले श्रद्धालुओं को डाक से जुड़ी सेवाओं की जानकारी देने के लिए की गई है। जानकारी देने के साथ यहां इको फ्रेंडली उत्पादों की बिक्री की जा रही है।

इसमें सिर्फ प्लांटेबल पेन और पेंसिल ही नहीं, ट्रैवलर कैलेंडर भी शामिल है, इसकी खासियत यह है कि महीना समाप्त होने के बाद जब आप कैलेंडर के उस माह का पेज फाड़कर अपने गार्डेन में फेंकेंगे तो उससे भी पौधा उग जाएगा। कैलेंडर में यह जानकारी भी दी गई है कि

किस माह के पेज से कौन सा पौधा उगेगा। यहां से बैज, गुल्लक, मग, प्लेट, फ्रिज मैगनेज के साथ ही कॉपर की बोतल आदि की भी बिक्री की जा रही है।

महाकुम्भ में आने वाले लोगों को यह इको फ्रेंडली उत्पाद काफी पसंद भी आ रहे हैं। केंद्रीय डाकघर के सब पोस्टमास्टर मनोज कुमार पाण्डेय ने बताया कि श्रद्धालु मेला क्षेत्र में रहकर डाकघर में उपलब्ध जमा निकासी, पार्सल, बुकिंग, आधार नामांकन, संशोधन आदि सुविधाओं का भी भरपूर लाभउठा रहे हैं।

महाकुम्भ मेला क्षेत्र में लगे ओडीओपी (एक जिला, एक उत्पाद) की प्रदर्शनी में अब तक लगभग 25 लाख लोग भ्रमण कर चुके हैं और 17 करोड़ रुपये से अधिक के उत्पादों की बिक्री की जा चुकी है। इसके अलावा लोगों ने बड़ी मात्रा में नए ऑर्डर दिए हैं। इस मेले में 140 से अधिक स्टाल लगाए गए हैं। उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले के विशिष्ट उत्पाद यहां प्रदर्शित किए गए हैं, जिसके प्रति लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। प्रदर्शनी में आने वालों का कहना है कि यह स्वर्णिम अवसर है जब पूरे प्रदेश के उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं। मेले में स्टाल लगाने वाले उद्यमियों ने खुशी व्यक्त की है कि उन्हें अपने उत्पादों की बिक्री के लिए एक अच्छा मंच मिला है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं /रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नलिखित है:-

रेलगाड़ी सं.: 05718/05717 जोगबनी-टूण्डला कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 05718 जोगबनी-टूण्डला		स्टेशन	गाड़ी सं. 05717 टूण्डला -जोगबनी	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	18:40	जोगबनी	02:20	-----
10:00	10:02	मिर्जापुर	08:28	08:30
12:45	12:50	प्रयागराज जं.	06:25	06:30
13:53	13:55	फतेहपुर	03:15	03:17
15:25	15:30	गोविन्दपुरी	02:05	02:10
16:53	16:55	इटावा जं.	22:48	22:50
19:00	----	टूण्डला जं.	-----	21:40

जोगबनी से : रेलगाड़ी संख्या 05718, दिनांक 14.02.2025 (शुक्रवार), **टूण्डला जं.से** : रेलगाड़ी संख्या 05717, दिनांक 16.02.2025 (रविवार) **गाड़ी संरचना:** वातानुकूलित तृतीय श्रेणी: 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी: 01, स्लीपर श्रेणी: 17

रेलगाड़ी सं.: 03213/03214 किऊल-फतेहपुर कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 03213 किऊल-फतेहपुर		स्टेशन	गाड़ी सं. 03214 फतेहपुर- किऊल	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	11:00	किऊल	14:00	-----
18:58	19:00	चुनार	05:28	05:30
19:30	19:32	मिर्जापुर	04:28	04:30
19:43	19:45	विन्ध्याचल	04:15	04:17
20:10	20:12	माण्डा रोड	03:38	03:40
20:33	20:35	मेजा रोड	03:18	03:20
21:23	21:25	नैनी	02:43	02:45
21:55	22:00	प्रयागराज जं.	02:20	02:25
23:45	----	फतेहपुर	-----	00:45

किऊल से : रेलगाड़ी संख्या 03213, दिनांक 19.02.2025, **फतेहपुर से** : रेलगाड़ी संख्या 03214, दिनांक 20.02.2025 **गाड़ी संरचना:** सामान्य श्रेणी: 07, स्लीपर श्रेणी: 09

रेलगाड़ी सं.: 06217/06218 मैसूरू -टूण्डला कुम्भ मेला विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

गाड़ी संरचना: वातानुकूलित तृतीय श्रेणी: 03, स्लीपर श्रेणी: 10, समान्य श्रेणी: 02

रेलगाड़ी सं.: 06219/06220 मैसूरू -टूण्डला कुम्भ मेला विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 06219 मैसूरू -टूण्डला		स्टेशन	गाड़ी सं. 06220 टूण्डला -मैसूरू	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	21:40	मैसूरू	22:00	-----
00:03	00:05	मानिकपुर जं.	23:55	23:57
02:05	02:10	प्रयागराज जं.	20:20	20:25
03:28	03:30	फतेहपुर	17:10	17:12
05:15	05:20	गोविन्दपुरी	15:45	15:50
06:38	06:40	इटावा जं.	12:38	12:40
09:30	----	टूण्डला जं.	-----	11:30

मैसूरू से : रेलगाड़ी संख्या 06219, दिनांक 20.02.2025 (गुरूवार), **टूण्डला जं. से** : रेलगाड़ी संख्या 06220, दिनांक 24.02.2025 (सोमवार) **गाड़ी संरचना:** वातानुकूलित तृतीय श्रेणी: 03, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी: 03, स्लीपर श्रेणी: 08, सामान्य श्रेणी:02

नोट: रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 **18004199139** उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 302/25(DG)

महाकुंभ मेला 2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये महाकुंभ मेला 2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या 04731/04732 श्री गंगानगर-कोलकाता पैसेंजर कम पार्सल विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04731 श्री गंगानगर-कोलकाता		स्टेशन	गाड़ी संख्या - 04732 कोलकाता - श्री गंगानगर	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	23:00(बुध)	श्री गंगानगर	11:45(मंगल)	----
23:10	23:20	मथुरा	12:00	12:10
00:45(शुक्र)	00:50	आगरा फोर्ट	10:25	10:30
02:10	02:15	टूण्डला	08:55	09:00
04:00	04:05	इटावा	07:00	07:05
06:50	06:55	कानपुर सेंट्रल	04:00	04:05
08:00	08:05	फतेहपुर	02:50	02:55
10:20	10:25	प्रयागराज	00:25(सोम)	00:30
11:40	11:45	मिर्ज़ापुर	23:00	23:05
08:50(शनि)	----	कोलकाता	----	09:05(रवि)

श्री गंगानगर से :- गाड़ी संख्या 04731, दिनांक 19.02.2025 एवं 26.02.2025 (बुधवार) को। **कोलकाता से**:- गाड़ी संख्या 04732, दिनांक 23.02.2025 एवं 02.03.2025 (रविवार) को। **गाड़ी संरचना**:- सामान्य श्रेणी- 05, स्लीपर श्रेणी- 07, चेयर कार-4

गाड़ी संख्या 06217/06218 मैसूरु - टूण्डला कुंभ मेला विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 06217 मैसूरु - टूण्डला		स्टेशन	गाड़ी संख्या - 06218 टूण्डला - मैसूरु	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	21:40	मैसूरु	22:00	----
00:03	00:05	मानिकपुर	23:55	23:57
02:05	02:10	प्रयागराज	20:20	20:25
03:28	03:30	फतेहपुर	17:10	17:12
05:15	05:20	गोविन्दपुरी	15:45	15:50
06:38	06:40	इटावा	12:38	12:40
09:30	----	टूण्डला	----	11:30

मैसूरु से:- गाड़ी संख्या 06217, दिनांक 17.02.2025 (सोमवार) को। **टूण्डला से**:- गाड़ी संख्या 06218, दिनांक 21.02.2025(शुक्रवार)। **गाड़ी संरचना**:- सामान्य श्रेणी- 02, स्लीपर श्रेणी- 10, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 03

नोट:- रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 **1800 4199 139** उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 295/25(A)

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. **UPHIN/2007/22706** रजि.नं. **AD-32/2008-09** ईमेलः **amritkt.alld@gmail.com** फोन नं. : **9453273951, 8799627062**